RNI No.RAJHIN/2012/44901

Postal Reg. No. जयपुर सिटी/403-2024-26

निवेश पत्रिका

निवेश करें लगातार, सपने करें साकार

वर्ष : 12 अंक 9 www.mftoday.com हिन्दी मासिक जयपुर, 1 मार्च 2024 कुल पृष्ठ : 8 मूल्य : 10 रुपए email: info@mftoday.com

आर्थिक रूप से होना है मजबूत, तो ये 9 फैसले लेना महिलाओं के लिए है बेहद जरूरी

अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं ने नई ऊंचाईयां पाई हैं। खेल की बात करें या कारोबार व राजनीति की, महिलाओं ने सभी क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन एक क्षेत्र ऐसा है जहां महिलाओं की एक बड़ी संख्या थोड़ी पीछे है और वो है आर्थिक स्वतंत्रता। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर हम आपको सात ऐसे महत्वपूर्ण फैसलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने के लिए जरूर करने चाहिए। इनके माध्यम से महिलाएं खुद अपना फंड बनाने में सक्षम होंगी।

परिवार के अनुरूप स्वयं ले आर्थिक फैसले

ज्यादातर महिलाएं अपने आर्थिक फैसलों के लिए दूसरों पर निर्भर रहती है, क्योंकि उनमें वित्तीय मामलों की जानकारी रखने और खुद फैसले करने को लेकर संकोच रहता है। इसलिए अब सक्षम बनें और अधिक से अधिक वित्तीय अखबार एवं किताबें पढ़ें। पैसों से जुड़े मामलों के बारे में अपने माता-पिता, जीवनसाथी या फिर वित्तीय सलाहकारों से भी खुलकर बात करें और मन में कोई भी सवाल हो तो पूछने में शर्म ना करें। इससे आपमें आर्थिक फैसले खुद से लेने का आत्मविश्वास पैदा होगा।

ज्यादा डिस्काउंट के चक्कर में न उलझें

कई दुकानें और वेबसाइट्स डिस्काउंट का प्रलोभन देती हैं। इनसे हम आपको बचने की सलाह देते हैं। डिस्काउंट दो तरह से मिलता है। पहला कैश डिस्काउंट और दूसरा परसेंटेज डिस्काउंट। इलेक्ट्रोनिक प्रोडक्टस पर कंपनियां कैश डिस्काउंट देती हैं। यह डिस्काउंट एमआरपी पर मिलता है। डीलर्स के हिसाब से डिस्काउंट अलग-अलग होता है। इसलिए कुछ भी खरीदने से पहले इस पर गौर कर लें। इससे आप काफी अच्छी बचत कर सकते हैं।

जितना जल्दी हो सके समय पर शुरू करे निवेश

कई महिलाएं निवेश के बारे में नहीं सोचती हैं और इस कारण वो कीमती समय निकल जाता है जिसमें किया गया निवेश काफी अच्छे रिटर्न दे सकता था। जितनी

जल्दी निवेश शुरू किया जाए, ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। वैसे तो भारत में लगभग हर किसी ने निवेश कर रखा है, लेकिन कुछ महिलाएं अब भी हैं जो कोई प्लानिंग नहीं करती हैं। उनका पैसा बैंक में ही जमा रहता है। ऐसे में अगर वो किसी इंश्योरेंस पॉलिसी में निवेश करते हैं, तो उनको अपने जरूरी खर्च निकालने के साथ-साथ पॉलिसी का प्रीमियम देने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

चिल्ड्रन गिफ्ट फण्ड

बच्चे के पैदा होते ही SIP चालू कर देवे ताकि ताकि जब बच्चा बड़ा या बालिग हो तो उसके पढ़ाई या शादी के खर्च की टेंशन न रहे।

ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों में लगाएं पैसा

अगर आप सिर्फ एफडी या पीपीएफ जैसे पारंपरिक निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं, तो आपको रिटर्न भी एक ही तरह का मिलता है। लेकिन आपको सिर्फ एक तरीके के निवेश विकल्पों से हटकर तेजी से रिटर्न देने वाले विकल्पों में पैसा लगाना चाहिए। म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए पैसा लगाते हैं, तो आपको काफी फायदा होगा। जिससे भविष्य के लिए बेहतर फंड का निर्माण हो सकेगा।

पैसे से संबंधित अज्ञानता को करें दूर

महिलाओं को अपने वित्तीय अधिकार को जानना होगा। जॉब करने वाली महिलाएं को अपने परिवार पति पिता के दबाव में आकर फाइनेंशियल डिसीजन लेने से पीछे हटने से मना करना चाहिए। महिलाओं को अपने पैसे को लेकर पूरी जानकारी रखनी चाहिए। अपने निर्धारित इन्वेस्टमेंट लक्ष्य को पाने के लिए इन्वेस्टमेंट के कई सारे विकल्प में पैसे लगाने चाहिए। जो कि महिलाओं को फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान करते हैं।

कर्ज मुक्त लाइफस्टाइल

ऋण मुक्त जीवन शैली को बनाए रखना वित्तीय स्वतंत्रता का शिखर माना जा सकता है। आज, आसान मासिक किश्तों/क्रेडिट से लोग ऐसे उत्पाद खरीद सकते हैं जिन्हें वे अन्यथा नहीं खरीद पाते। हालांकि, क्रेडिट पर खरीदारी करते समय, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका ऋण-से-आय अनुपात 30% और 40% के बीच हो। वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और ऋण तनाव से बचने के लिए ऋण में कमी और प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

एक आपातकालीन कोष का निर्माण करे

लोगों को बचत के महत्व का एहसास कराने का सबसे बड़ा उदाहरण महामारी है। आर्थिक रूप से सुरक्षित होने के लिए, जरूरत के समय मदद के लिए एक आपातकालीन निधि को हाथ में रखें। किसी भी अप्रत्याशित आपदा के लिए तैयार रहने के लिए, आपके आपातकालीन कोष में ऋण सहित 12-24 महीने के जीवन व्यय को कवर करना चाहिए।

सही स्वास्थ्य बीमा का करें चयन

स्वास्थ्य आपात स्थिति अक्सर अप्रत्याशित होती है, और बीमा ऐसे मामलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचने के लिए आवश्यक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। एक व्यापक और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी स्वास्थ्य संकट को वित्तीय संकट बनने से रोकती है और इस प्रकार वित्तीय नियोजन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। एक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी एक व्यक्ति को महंगे चिकित्सा उपचार से बचाती है।

अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाएं

अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाए रखने के लिए कुछ चीजें करने की जरूरत है, जैसे कि एक अच्छा क्रेडिट मिक्स बनाए रखना, जिसमें सुरक्षित और असुरक्षित, दोनों प्रकार के कर्ज शामिल हों। क्रेडिट लिमिट और आपके क्रेडिट खर्च के बीच का अनुपात बनाए रखें। सुनिश्चित करें कि आप अपने क्रेडिट कार्ड का अधिकतम उपयोग न करें। समय पर बकाये का पेमेंट करें। बार-बार कर्ज या कार्ड के लिए इन्क्वायरी न करें।

इनसाईड स्टोरी

2 इन गलतियों की वजह से शेयर मार्केट में डूब सकता है ...

3 सैलरी इंक्रीमेंट फंड के सही इस्तेमाल से बढ़ेगी कमाई, इन तरीकों से करें ...

4 वॉरेन बफे ने बताए इन्वेस्टमेंट के 15 नियम...

5 इनकम टैक्स बचाना है तो अपनाएं ये टिप्स...

6 पर्सलन लोन लेने से पहले खुद से जरूर पूछें ये 7 सवाल...

7 फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने से महिलाओं को मिलते हैं ...

8 होली से सीखें मनी मैनेजमेंट, मुनाफे से सराबोर रहेगा ...

अपनी बचत को सही निवेश कर अपने गोल को पूरा करने हेतु सम्पर्क करें: - 8287 099 099

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

इन गलतियों की वजह से शेयर मार्केट में डूब सकता है आपका पैसा, निवेश से पहले समझ लें ये काम की बातें

कम समय में ज्यादा पैसा बनाने के लिहाज से शेयर मार्केट को काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन इस मार्केट को जोखिमभरा माना जाता है। इसमें जितनी तेजी से पैसा बढ़ता है, उतनी ही जल्दी डूबने का भी डर रहता है। इसलिए निवेश से पहले मार्केट को अच्छे से समझना बहुत जरूरी है। शेयर मार्केट में गलत अप्रोच आपकी सारी पूंजी को डुबा सकती है। यहां जानिए वो गलतियां जिनसे हर निवेशक को बचना चाहिए।

भीड़ के पीछे न भागें

कई बार जब किसी कंपनी के शेयर अचानक तेजी पकड़ते हैं, तो लोग उसमें पैसा लगाना शुरू कर देते हैं। लेकिन भीड़ के पीछे आप कभी न भागें। किसी भी स्टॉक में निवेश करने से पहले उसके फंडामेंट्ल्स को समझें। कंपनी का मूल्यांकन करें और संभव हो तो किसी एक्सपर्ट की सलाह से पैसा लगाएं। दूसरों को देखकर पैसा लगा देना आपको महंगा पड़ सकता है।

खुद को एक्सपर्ट समझने की भूल

एक गलती जो अक्सर लोग कर बैठते हैं, वो है खुद को एक्सपर्ट समझने की भूल। लेकिन ध्यान रखिए शेयर मार्केट में अनिश्चितता रहती है। इसमें आपका अनुमान कभी सही भी साबित हो सकता है और गलत भी। इसलिए खुद को शेयर मार्केट का एक्सपर्ट समझकर अति आत्मविश्वासी मत बनिए। कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि सालों का अनुभव रखने वाले निवेशक भी आगे की राह नहीं बता पाते हैं। इसलिए अनुमान लगाने से बचिए। मार्केट और स्टॉक के बारे में स्टडी कीजिए और सोच समझकर निवेश कीजिए।

होमवर्क नहीं करना

अगर आप स्टॉक ब में इन्वेस्ट करने का मन बना चुके हैं, तो ये बहुत जरूरी है कि आप इसके बारे में पहले सभी जरूरी बातों को जानें। मार्केट की सामान्य शब्दावली को जानने से लेकर स्टॉक चुनने तक सारी जानकारी जुटाएं।इसके लिए भी विश्वसनीय सूत्र का पता करें, सिर्फ इंटरनेट पर वीडियो देखकर या दूसरों की बातें सुनकर मार्केट में पैसा लगा देना समझदारी नहीं है। स्टॉक मार्केट में आने से पहले होम वर्क करना बेहद जरूरी है। अगर आप बिना होमवर्क किए मैदान में कूदते हैं तो आपको बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

धैर्य रखना बेहद जरूरी

जल्दी से पैसा बनाने के चक्कर में निवेश मत कीजिए। मार्केट में उतरते समय धैर्य और अनुशासन की बहुत जरूरत होती है। आपकी छोटी सी गलती बड़ा नुकसान करवा सकती है। इसलिए बहुत जोखिम न लीजिए। जब मार्केट में भारी उतार चाव चल रहा हो उस समय शेयर खरीदना या बेचना सही नहीं माना

जाता है। ऐसे में कई बार स्थितियों को देखकर अपने स्टॉक को लंबे समय तक होल्ड भी करना पड़ जाता है। अगर इन स्थितियों के बीच आपने धैर्य नहीं रखा, तो मुश्किल में पड़ सकते हैं।

घाटे से डरिए मत, सीखिए

यह हर निवेशक के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है इसे सीखना और इससे बचना। सभी लोग कभी न कभी, किसी न किसी स्टॉक में गलत निर्णय ले लेते हैं, यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह हमारे सीखने की प्रक्रिया का भी हिस्सा है। अगर कभी आप गलत शेयर ले लिए हैं और घाटा हो रहा है तो घाटे से डरिए मत, उससे निकल लीजिए। ज्यादा देर मत करिए और किसी दूसरे स्टॉक में मौका देखिए। घाटे से डरिए मत, सीखिए।

पेनी स्टॉक से बचना चाहिए

अक्सर नए निवेशक जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में पेनी स्टॉक में पैसा लगा देते हैं। पेनी स्टॉक जब चढ़ता है या उसमें अपर सर्किट लगने लगता है तो लोग पैसा लगाने के लिए जल्दीबाजी करने लगते है। लेकिन जब पेनी स्टॉक गिरता है या उसमें लोअर सर्किट लगता है तो निवेशक शेयर बेच भी नहीं पाते और घाटा उठाना पड़ता है। इसलिए हमेशा फंडामेंटली मजबूत कंपनियों में निवेश करें।

सैलरी इंक्रीमेंट फंड के सही इस्तेमाल से बढ़ेगी कमाई, इन तरीकों से करें मैनेज

इंक्रीमेंट या बोनस आपकी कड़ी मेहनत और काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इंक्रीमेंट या बोनस से सैलरी में बढ़ोतरी होती है। कर्मचारियों की सैलरी में इंक्रीमेंट होना सुखद है, लेकिन अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने और अपने लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल टार्गेट को पूरा करने के लिए इन अतिरिक्त फंड का इस्तेमाल कैसे करें, इस पर समझदारी से फैसला करना जरूरी है। लगातार बढ़ रही महंगाई के असर को कम करने और वित्तीय फाइनेंशियल टार्गेट को पूरा करने के लिए सैलरी इंक्रीमेंट बेहद जरूरी है। आमतौर पर सैलरी में सालाना औसतन इंक्रीमेंट के तौर पर 10% बढ़त होती है। ऐसे में बढ़ रही मंहगाई का सामना करने और अपनी सेविंग को बढ़ाने के लिए स्मार्ट योजना की आवश्यकता होती है। इसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए आइए कुछ रणनीतिक तैयारियों के बारे में जानते हैं।

क्या है इंक्रीमेंट फंड

इंक्रीमेंट का कनेक्शन सीधे तौर पर किसी की सैलरी में बढ़ोतरी से या परफार्मेंस, मार्केट ट्रेंड या संगठनात्मक नीतियों के आधार पर कंपनी द्वारा अपने कर्मियों को दिए जाने वाले बोनस से है। यह अतिरिक्त इनकम लोगों को वित्तीय तौर पर मजबूत करने और अपनी आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है।

इंक्रीमेंट फंड का कैसे करें इस्तेमाल

जब सैलरी इंक्रीमेंट होती है, तो इस बढ़े हुए फंड का इस्तेमाल करने के लिए एक सही योजना के बारे में जानकारी होना जरूरी है।

आरामदायक जीवन स्तर बनाए रखने के लिए सैलरी इंक्रीमेंट के एक हिस्से वेतन को घर में काम आने वाले या नया घर खरीदने जैसे जरूरी खर्चों के लिए इस्तेमाल करने पर विचार करें। इसके अलावा बाकी हिस्से को बकाया देनदारियों को कम करने के लिए लोन रिपेमेंट को प्राथमिकता दें। फाइनेंशियल सेफ्टी नेट बनाने और गुजरे वक्त के साथ पैसा बनाने के लिए सेविंग और म्यूचुअल फंड जैसे बेहतरीन निवेश विकल्प के लिए सैलरी इंक्रीमेंट का एक हिस्सा आवंटित करें। जिससे भविष्य की जरूरतों की पूर्ति हेतु एक शानदार फंड का निर्माण हो सके।

कितना फंड करें निवेश

इन्क्रीमेंट फंड के कितने हिस्से को निवेश करना चाहिए यह आपके फाइनेंशियल टार्गेट और मौजूदा कर्ज पर निर्भर करता है। अपनी इंक्रीमेंट फंड बचाकर रखने की कोशिश करें और उसके 20% से 30% हिस्से को रिटायरमेंट प्लानिंग, धन संचय या एजुकेशन फंडिंग जैसे लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट विकल्प में निवेश करने का प्रयास करें। निवेश के लिए इंक्रीमेंट फंड के कितने हिस्से को इस्तेमाल करेंगे इसका फैसला अपनी परिस्थितियों के हिसाब से लें। आप चाहें तो निवेश से पहले अपने किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद भी ले सकते हैं।

इंश्योरेंस पॉलिसी में क्या होता है फ्री लुक पीरियड? जानिए इसकी अवधि बढ़ाए जाने पर कैसे होगा फायदा

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलेपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी इरडा (IRDAI) ने इंश्योरेंस पॉलिसी के फ्री-लुक पीरियड को 15 दिनों से बढ़ाकर 30 दिनों तक किए जाने मसौदा तैयार किया है। इस प्रस्तावित नियम का मकसद बीमा ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। साथ ही ग्राहक को पॉलिसी की अच्छी तरह से समीक्षा करने के लिए अधिक समय मिलेगा। भारत में इरडा का ये प्रस्ताव बीमा ग्राहकों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। इंश्योरेंस पॉलिसी में फ्री-लुक पीरियड क्या होता है और इसकी अवधि का विस्तार किए जाने से बीमा ग्राहकों को कैसे फायदा मिलेगा? आइए इसके बारे में जानते हैं।

जाने,इंश्योरेंस पॉलिसी में क्या होता है फ्री-लुक पीरियड?

इंश्योरेंस पॉलिसी में फ्री-लुक पीरियड पॉलिसीहोल्डर के लिए महत्वपूर्ण विकल्प है। यह लोगों को इंश्योरेंस पॉलिसी लेने के बाद शर्तों, कवरेज डिटेल्स, एक्सक्लूज़न (exclusions) और संबंधित लागतों की जांच करने की अनुमति देता है। फ्री-लुक पीरियड के दौरान इंश्योरेंस पॉलिसी पसंद नहीं आने या उपयुक्त पॉलिसी नहीं होने पर बीमा ग्राहक के पास बिना किसी अतिरिक्त शुल्क दिए पॉलिसी सरेंडर करने का विकल्प होता है। हाल ही इरडा द्वारा प्रस्तावित फ्री-लुक पीरियड विस्तार से बीमा ग्राहकों के हितों की सुरक्षा होगी।

पॉलिसी की बारिकियों को समझकर फैसला लेने का मिलता है मौका

इंश्योरेंस पॉलिसीज खासकर यूनिट-लिंक्ड वाले अक्सर जटिल डिटेल के साथ आते हैं जो तुरंत समझ नहीं आते हैं। फ्री-लुक पीरियड को 30 दिनों तक बढ़ाने से पॉलिसीहोल्डर्स को इन शर्तों की जटिलताओं के समझने के लिए ज्यादा समय मिलता है। यह अतिरिक्त समय पूरी तरह से मूल्यांकन करने की अनुमति देता है। ऐसे में बीमा ग्राहक को इंश्योरेंस पॉलिसी कवरेज के बारे में समझकर सही फैसला लेने का विकल्प मिलता है।

गलत और मिस-सेलिंग से बचाता है

इंश्योरेंस पॉलिसी बेचने के लिए अक्सर एजेंट गलत या भ्रामक जानकारी दे देते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए हर बीमा कंपनी ग्राहकों को 'फ्री लुक पीरियड' का विकल्प देती है। हाल ही में इरडा द्वारा फ्री लुक पीरियड 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। जानकारों के अनुसार इंश्योरेंस पॉलिसी की समीक्षा करने के लिए 30 दिन का समय पॉलिसीधारकों को गलत या भ्रामक जानकारी के आधार पर फैसले लेने में जल्दबाजी होने की संभावना कम होगी। फ्री लुक पीरियड के विस्तार से इंश्योरेंस इंडस्ट्री के भीतर पारदर्शिता और नैतिक आचरण को बढ़ावा मिलेगा। जरूरत के हिसाब से पॉलिसी नहीं होने पर ग्राहक के पास पॉलिसी से सरेंडर करने का समय होगा।

सही पॉलिसी चुनने में करता है मदद

फ्री-लुक पीरियड में विस्तार पॉलिसीधारकों को तमाम बीमा विकल्पों की तुलना करने का अधिकार देता है। फ्री-लुक पीरियड 30 दिन होने पर बीमा ग्राहक इंश्योरेंस पॉलिसी का हिस्सा बनने से पहले कई नीतियों के लाभों और कमियों का सावधानीपूर्वक आकलन कर सकते हैं। फ्री-लुक पीरियड यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक उस बीमा कवरेज का चयन करें जो वास्तव में उनकी जरूरतों के अनुरूप हो, जिससे उनकी चुनी हुई नीतियों के साथ अधिक संतुष्टि हो। IRDAI द्वारा फ्री-लुक पीरियड का प्रस्तावित विस्तार भारत में बीमा उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम का प्रतिनिधित्व करता है। इरडा के इस मसौदे का मकसद इंश्योरेंस इंडस्ट्री में पारदर्शिता को बढ़ावा देना, ग्राहकों को गलत पॉलिसी से बचाना और सही पॉलिसी लेने में मदद करना है।

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

वॉरेन बफे ने बताए इन्वेस्टमेंट के 15 नियम

कहा...क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी पर ध्यान दें

दुनिया के सबसे बड़े इन्वेस्टर और बर्कशायर हैथवे के CEO वॉरेन बफे ने बर्कशायर हैथवे 2023 के शेयर होल्डर लेटर में अपने टाइम लैस इन्वेस्टमेंट प्रिंसिपल्स को बताया है। ये लेटर वॉरेन बफे ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए जारी किया है। इसमें इन्वेस्टमेंट के 15 प्रिंसिपल्स (नियम) बताए गए हैं। इसमें वॉरेन बफे कहते हैं कि जब दूसरे लालची हों तो भयभीत रहें, और जब दूसरे भयभीत हों तो लालची बनें। हम आपको बफे के इन 15 प्रिंसिपल्स के बारे में बता रहे हैं...

धैर्य फल देता है

शेयर बाजार को धैर्यवान व्यक्ति तक पैसा पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

लॉन्ग-टर्म थिंकिंग

हमारी पसंदीदा होल्डिंग अवधि हमेशा के लिए होनी चाहिए।

क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी पर ध्यान दें

एक सही कंपनी को अद्भुत कीमत पर खरीदने से बेहतर है कि एक अद्भुत कंपनी को सही कीमत पर खरीदा जाए।

अपने निवेश को समझें

जोखिम यह न जानने से आता है कि आप क्या कर रहे हैं।

बिजनेस में निवेश करें, टिकर्स में नहीं

जब हमारे पास अच्छे मैनेजमेंट के साथ एक अच्छी कंपनी में हिस्सेदारी हो तो हमें इसे बेचना नहीं चाहिए।

अपनी क्षमता के दायरे में बने रहें

आपको हर कंपनी या यहां तक कि कई कंपनियों का विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं है। आपको सिर्फ अपनी क्षमता के हिसाब से

कंपनियों का मूल्यांकन करने में सक्षम होने की जरूरत है।

ऋण से सावधान रहें

जब आप उधार लेकर निवेश करते हैं और आपको फायदा होता है तो इस पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। लेकिन जब नुकसान होने लगता है तो सभी का ध्यान इसी पर होता है। ये आपको परेशानी में डाल सकता है। इसीलिए उधार लेने से बचना चाहिए।

ज्यादा डायवर्फिकेशन से बचें

पोर्टफोलियो को ज्यादा डायवर्ट करने की आवश्यकता केवल तभी होती है जब निवेशक यह नहीं समझते कि वे क्या कर रहे हैं।

जब दूसरे लालची हों तो भयभीत रहें, और जब दूसरे भयभीत हों तो लालची बनें

जब दूसरे लालची हों तो हमें डरा हुआ रहना चाहिए। वहीं जब दूसरे डरे हुए हों तो हमें लालची होना चाहिए।

आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें

कीमत वह है जो आप चुकाते हैं। मूल्य वह है जो आपको मिलता है।

बाजार के उतार-चढ़ाव पर ध्यान न दें

भगवान की तरह बाजार उन लोगों की मदद करता है जो अपनी मदद खुद करते हैं। लेकिन, भगवान के विपरीत, बाजार उन लोगों को माफ नहीं करता है जो नहीं जानते कि वे क्या करते हैं।

बाजार को समय न दें

हम बाजार में सक्रिय रहने कि तुलना में शांत रहकर इससे ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

अपनी क्षमता के भीतर रहें

नियम नंबर 1: कभी पैसा न खोएं। नियम नंबर 2: नियम नंबर 1 को कभी न भूलें।

तर्कसंगत रहें

कम कीमतों का सबसे आम कारण निराशावाद है - हमें कंपनी या इंडस्ट्री के लिए कभी-कभी व्यापक नजरिया अपनाना चाहिए।

विनम्र रहें और सीखते रहें

आपको हर स्थिति में विनम्र रहना चाहिए और हर स्टैप से कुछ न कुछ सीखना चाहिए।

म्यूचुअल फंड वेतनभोगी लोगों के लिए है मददगार

वेतनभोगी लोगों के पास अपने कैरियर के दौरान इनकम प्रेडिक्टेबल होती है। वे अक्सर अपने बजट का प्रबंधन अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए करते हैं। ऐसे लोगों को अपने लिमिटेड इनकम में से कुछ पैसे ऐसी जगहों पर निवेश करना चाहिए जहां उन्हें टैक्स कम देना पड़े और रिटर्न ज्यादा मिले। म्यूचुअल फंड वेतनभोगी लोगों के लिए उनके फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने लिए काफी कारगर साबित हो सकता है।

शार्ट टर्म डेट फंड में करें निवेश

टैक्स सेविंग के अलावा वेतनभोगी कर्मचारियों को अनिश्चित वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए भी कंटीजेंसी की आवश्यकता होती है। इसलिए, वेतनभोगी लोगों के लिए लंबी अवधि में पर्याप्त कंटीजेंसी फंड बनाए रखना महत्वपूर्ण है। आप शॉर्ट-टर्म डेट फंड जैसे लिक्विड फंड, अल्ट्रा-शॉर्ट ड्यूरेशन म्यूचुअल फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश कर सकते हैं क्योंकि इनमें जोखिम कम होता है।

इक्विटी फंड में निवेश भी बेहतर ऑप्शन

इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के भीतर कई विकल्प उपलब्ध हैं जहां आप जोखिम की सीमा के आधार पर रिटर्न पाने के लिए निवेश कर सकते हैं।

म्यूचुअल फंड स्कीम चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड योजना का चयन करते समय एक्सपेंस रेश्यो, पास्ट और करेंट परफॉर्मेंस, पोर्टफोलियो में निवेश की गुणवत्ता आदि जैसे कारकों के आधार पर विभिन्न योजनाओं का विश्लेषण और तुलना करें।

निवेशकों को अक्सर लगता है कि उन्हें अच्छा रिटर्न पाने के लिए बड़ी रकम लगाने की ज़रूरत है। यह सच नहीं है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने 500 रुपये जितना छोटा निवेश कर सकते हैं। यहां तक कि प्रति माह 2,000 रुपये का योगदान से भी आप 20 वर्षों में 200,000 रुपये प्राप्त कर सकते हैं, अगर वार्षिक रिटर्न की दर 12 फीसदी हो।

फार्म-IV

समाचारपत्र के स्वामित्व एवं विक्रयों से संबंधित विवरण-

1.	प्रकाशक का स्थान	:	जयपुर
2.	प्रकाशन की नियत अवधि	:	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	:	रमेश चन्द मालू
	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	पता	:	103, वृज अनुकंपा, 1 मंजिल, बी.एस.एन.एल. के सामने, अशोक शर्मा, सी-स्कीम, जयपुर-302001
4.	प्रकाशक का नाम	:	रमेश चन्द मालू
	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	पता	:	103, वृज अनुकंपा, 1 मंजिल, बी.एस.एन.एल. के सामने, अशोक शर्मा, सी-स्कीम, जयपुर-302001
5.	संपादक का नाम	:	रमेश चन्द मालू
	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	पता	:	103, वृज अनुकंपा, 1 मंजिल, बी.एस.एन.एल. के सामने, अशोक शर्मा, सी-स्कीम, जयपुर-302001

6. उन व्यक्तियों के नाम-पते जो समाचारपत्र के स्वामी हैं और उन भागीदारों या शेयरधारकों के, जो कुल पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक अंश के धारक हैं, नाम रमेश चन्द मालू और पता- 103, वृज अनुकंपा, 1 मंजिल, बी.एस.एन.एल. के सामने, अशोक शर्मा, सी-स्कीम, जयपुर-302001

मैं रमेश चन्द मालू घोषणा करता हूं कि ऊपर दी गई विशिष्टियां मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं।

तारीख : 29.02.24

रमेश चन्द मालू
(प्रकाशक)

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

इनकम टैक्स बचाना है तो अपनाएं ये टिप्स

मौजूदा वित्त वर्ष के खत्म होने में अब कुछ ही समय बाकी रह गया है और ज्यादातर टैक्सपेयर्स अभी से अपनी फाइनेंसिशल प्लानिंग में जुट गए होंगे। अगर आपने अभी तक टैक्स सेविंग को लेकर प्लानिंग नहीं की है और इस बारे में सोच रहे हैं कि अपनी गाढ़ी कमाई बचाने के लिए कैसे और कहां निवेश किया जा सकता है, तो फिर ये खबर आपके लिए ही है। हम आपको टैक्स बचाने के लिहाज से बेहतरीन मौजूदा ऑप्शंस की जानकारी दे रहे हैं, तो बिना समय गंवाएं ये काम पूरा कर जरूर कर लीजिए।

ध्यान रहे टैक्स सेविंग के लिए समय से पहले निवेश करना होता है और फिर आयकर विभाग को निवेश से जुड़े दस्तावेज प्रूव के तौर पर देना होता है। आप 31 मार्च 2024 तक कुछ स्कीम्स में निवेश करके आईटीआर के दौरान डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। इसके लिए आप तमाम सरकारी सेविंग स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इन स्कीम्स में टैक्स सेविंग के साथ ही रिटर्न भी शानदार मिलता है। इसके लिए कई ऑप्शंस मौजूद हैं, जिनमें NSC, ELSS, सुकन्या समृद्धि योजना, PPF, NPS शामिल हैं।

पहला ऑप्शन- PPF

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) एक लॉन्ग टर्म निवेश विकल्प है और भारत में सबसे पॉपुलर टैक्स सेविंग स्कीम के तौर पर लोकप्रिय है। PPF पर फिलहाल 7.1 फीसदी की दर से ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में आप निवेश कर सकते हैं। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत आप पीपीएफ में सालाना 1.5 लाख रुपये के निवेश पर टैक्स छूट पा सकते हैं। PPF में निवेश पर सरकार गारंटी देती है, यानी पैसा डूबने का कोई डर नहीं है। बता दें कि पब्लिक प्रॉविडेंड फंड (PPF) में पैसा 15 साल के लिए लॉकइन रहता है।

दूसरा ऑप्शन- ELSS

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ELSS) एक प्रकार का इक्विटी फंड है और यह एकमात्र म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) है, जिसमें आयकर अधिनियम की धारा 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट मिलती है। ELSS में सालाना 1 लाख रुपये तक के रिटर्न/लाभ पर टैक्स नहीं लगता है। ELSS में 3 साल की सबसे छोटी लॉक-इन अवधि होती है जो कि सभी टैक्स बचाने वाले निवेश विकल्पों में से बेहतर है। इसके अलावा आप Tax Saving FD और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (ULIP) खरीदकर भी टैक्स बचा सकते हैं।

तीसरा ऑप्शन- SSY Scheme

सरकार के द्वारा खासतौर पर बेटियों के लिए संचालित की जा रही स्माल सेविंग स्कीम सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करते हुए आप टैक्स बचत कर सकते हैं। आप अपनी 10 साल से कम उम्र की बिटिया के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) में खाता खुलवाकर टैक्स सेविंग कर सकते हैं। इस स्कीम में अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना जमा करके इनकम टैक्स की छूट ली जा सकती है। हाल ही में सरकार ने ब्याज दरों में संशोधन करते हुए सुकन्या समृद्धि योजना पर मिलने वाले ब्याजा को 8.2 फीसदी कर दिया है। यानी टैक्स छूट के साथ ही जोरदार रिटर्न भी आपको मिलता है।

चौथा ऑप्शन- SCSS

Tax Saving के लिए अगला विकल्प है सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (SCSS), ये भी खासी लोकप्रिया सेविंग स्कीम है। इस स्कीम में निवेश करने के लिए आप बैंक या पोस्ट ऑफिस में अपना अकाउंट ओपन करा सकते हैं। इसमें किए गए निवेश के जरिए आप अकाउंट में जमा रकम पर 80C के तहत इनकम टैक्स की छूट प्राप्त कर सकते हैं। इसमें अधिकतम सालाना 1.5 लाख रुपये निवेश कर सकते हैं। सुकन्या समृद्धि योजना की तरह ही सरकार ने इसकी ब्याज दरों में भी बदलाव किया है और इसे बढ़ाकर 8.2 फीसदी कर दिया है।

पांचवां ऑप्शन- NPS

नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) एक सरकारी रिटायरमेंट सेविंग स्कीम है। इसमें भी निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C तहत टैक्स छूट मिलता है। इसमें सालाना 1.5 लाख और धारा 80CCD (1B) के तहत अतिरिक्त 50 हजार रुपये का भी निवेश कर सकते हैं। NPS में निवेश कर आप आयकर (Income Tax) में कुल 2 लाख रुपये की कुल छूट का फायदा ले सकते हैं। सरकार भी NPS को बढ़ावा दे रही है। आप 1000 रुपये महीने से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। कोई भी भारतीय नागरिक जिसकी उम्र 18 से 65 साल के बीच है, इस स्कीम में खाता खुलवा सकते हैं। किसी भी बैंक में NPS Account खुलवा सकते हैं।

जो क्रेडिट कार्ड से करते हैं ये 3 काम, वही अक्सर फंसते हैं कर्ज के जाल में, जानिए कैसे बचें

आज के वक्त में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल काफी बढ़ चुका है। लोग छोटी से लेकर बड़ी तक हर तरह की ट्रांजेक्शन क्रेडिट कार्ड से करना चाहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आप जितनी ज्यादा ट्रांजेक्शन करेंगे, उतने ही ज्यादा रिवॉर्ड प्वाइंट्स भी मिलेंगे और बाद में उन रिवॉर्ड प्वाइंट से गिफ्ट, शॉपिंग या कैशबैक मिलेगा। हालांकि, क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते वक्त अक्सर लोग ये भूल जाते हैं कि वह कर्ज लेकर शॉपिंग कर रहे हैं, क्योंकि क्रेडिट कार्ड एक तरह का कर्ज ही है। हर किसी को इसे बाद में चुकाना होता है और छोटी सी भी चूक हुई तो भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। आइए जानते हैं ऐसी 3 ट्रांजेक्शन के बारे में, जो क्रेडिट कार्ड से कभी नहीं करनी चाहिए या फिर मजबूरी में ही करनी चाहिए, वरना

दिक्कत में पड़ सकते हैं।

1- एटीएम से कैश निकालने की गलती ना करें

तमाम क्रेडिट कार्ड बेचते वक्त बैंक से लेकर एजेंट तक आपको उसका एक खास फीचर ये जरूर बताते हैं कि इसकी मदद से आप कैश निकाल सकते हैं। हालांकि, वह ये नहीं बताते कि आप जो कैश निकालेंगे, उस पर पहले ही दिन से तगड़ा ब्याज लगने लगेगा। यह ब्याज 2.5 से 3.5 फीसदी प्रति महीने तक के हिसाब से लग सकता है।

वहीं आपको फ्लैट ट्रांजेक्शन टैक्स भी चुकाना पड़ता है। जहां एक ओर क्रेडिट कार्ड से की गई शॉपिंग का बिल चुकाने के लिए आपको महीने भर का वक्त मिलता है और ड्यू डेट तक बिल ना चुकाने पर आप पर ब्याज लगता है। वहीं एटीएम से निकाले गए कैश को चुकाने के लिए कोई वक्त नहीं मिलता और ब्याज लगना शुरू हो जाता है।

2- इंटरनेशनल ट्रांजेक्शन पड़ सकता हैं भारी

हर क्रेडिट कार्ड के फीचर्स में एक ये भी होता है कि उसका इस्तेमाल विदेश में भी किया जा सकता है। कई लोगों को क्रेडिट कार्ड का ये फीचर भी लुभाता है, लेकिन बहुत से लोग इसके पीछे की कहानी को नहीं समझते। विदेशों में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने पर आपको ट्रांजेक्शन फीस चुकानी पड़ती है, जो बढ़ती-घटती रहती है।

3- बैलेंस ट्रांसफर में ज्यादा इस्तेमाल

बहुत सारे क्रेडिट कार्ड पर एक फीचर होता है बैलेंस ट्रांसफर। इसका इस्तेमाल कर के आप अपने एक क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान दूसरे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं। सुनने में तो ये बहुत ही शानदार लग रहा होगा कि पहले एक क्रेडिट कार्ड पर शॉपिंग का बिल चुकाने के लिए 30-45 दिन तक का समय मिला और फिर दूसरे क्रेडिट कार्ड से पहले का भुगतान कर दिया तो इस तरह शॉपिंग का बिल चुकाने के लिए 2-3 महीनों का वक्त मिल जाएगा।

हालांकि, यहां आपको बता दें कि बैलेंस ट्रांसफर मुफ्त नहीं होता है, उसके लिए आपको क्रेडिट कार्ड कंपनी या बैंक को एक चार्ज देना पड़ता है। इसका एक और भी बड़ा नुकसान है। क्रेडिट कार्ड एक तरह का कर्ज है। ऐसे में अगर आप एक

कार्ड का बिल दूसरे से चुकाते हैं तो इसका मतलब हुआ आप एक कर्ज को निपटाने के लिए दूसरा कर्ज ले रहे हैं। किसी आपात स्थिति में, जब आपके पास पैसों की बहुत ज्यादा किल्लत आ जाए तो बैलेंस ट्रांसफर करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसे आदत ना बनाएं। ऐसा ज्यादा करने से आपके सिबिल स्कोर पर बुरा असर पड़ेगा।

*निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

पर्सलन लोन लेने से पहले खुद से जरूर पूछें ये 7 सवाल, वरना आपको हो सकती है बड़ी दिक्कत

पर्सनल लोन की जरूरत कभी ना कभी हर किसी को पड़ती है। ऐसे में आपको खुद से कुछ सवाल जरूर पूछने चाहिए, ताकि आपको बाद में दिक्कत ना हो। आपको चेक करना होगा कि आप क्रेडिट कार्ड से लोन ले लेना चाहते हैं या फिर किसी बैंक से। साथ ही ये सवाल भी पूछना चाहिए आप लोन के कितने दिन में और कैसे चुकना करना चाहते हैं। आइए जानते हैं इन 7 सवालों के बारे में।

1- कितने पैसों की जरूरत है?

आपको कोई भी लोन लेने से पहले खुद से ये सवाल पूछना चाहिए कि आपको कितने पैसों की जरूरत है। अगर आपको काफी कम पैसे चाहिए तो आपको सबसे पहले दोस्तों-रिश्तेदारों से कुछ पैसे उधार मांगने चाहिए। अगर पैसे ना मिलें तो क्रेडिट कार्ड से छोटा लोन लेना चाहिए। बैंक से बड़ा लोन लेना ऐसे वक्त में समझदारी नहीं है।

2- कितने वक्त में चुका सकते हैं लोन?

आपको 30 दिन के भीतर मासिक किस्तों में लोन कंपनी या बैंक को वापस चुकाना होगा। अधिकांश लोन देने वाले 6 महीने से 7 साल के बीच की ईएमआई बनाते हैं। आप जितनी जल्दी लोन चुकाएंगे आपको उतना ही कम ब्याज चुकाना होगा, लेकिन ये भी ध्यान रहे कि अगर आपके पास चुकाने के लिए पैसे कम पड़ते हैं तो आप लोन डिफॉल्टर भी हो सकते हैं। तो लोन लेने से पहले ही अपनी कमाई के आधार पर यह तय कर लें कि आप कितने दिन में लोन वापस चुका पाएंगे।

3- कितना लग रहा है ब्याज?

अगर आप लोन लेंगे तो आपको ब्याज चुकाना ही होगा। ऐसे में आपको ये पहले ही देख लेना है कि कहां से आपको सस्ती दर पर लोन मिल रहा है। यह दर कई बार लोन की अवधि के हिसाब से भी कम ज्यादा होती है। तो लोन लेने से पहले इस बात पर भी गौर करें और सही दर पर सही अवधि के लिए लोन लें, ताकि बाद में आपको अधिक पैसे ब्याज के तौर पर ना चुकाने पड़ें।

4- ईएमआई चुकानी है या एकमुश्त पैसे चुकाएंगे?

अगर आप लोन लेते हैं तो अधिकतर कर्जदाता अगले ही महीने से ईएमआई लेना शुरू कर देते हैं। ऐसे में लोन लेते वक्त आपको ये ध्यान रखना है कि आप अगले ही महीने से ईएमआई चुका पाएंगे या नहीं। यह भी ध्यान रखें कि कितनी ईएमआई चुका सकते हैं। कई बार लोगों को लोन की जरूरत होती है, क्योंकि कहीं से उनके पैसे नहीं मिल पाते या कहीं उनके पैसे फंसे होते हैं। ऐसे में वह चाहते हैं कि एक तय अवधि के बाद लोन की पूरी रकम ब्याज समेत चुका दी जाए। इसलिए भी लोन लेने से पहले आपको खुद से ये सवाल करना जरूरी है।

5- पर्सनल लोन पर लग रही हैं कौन सी फीस?

अगर आप पर्सनल लोन लेने वाले हैं तो आपको ये पहले से ही पता होना चाहिए कि उस पर कौन-कौन सी फीस लग रही हैं। ऐसा ना हो कि आपको ब्याज दर तो बहुत आकर्षक लगे, लेकिन आपको अलग से प्रोसेसिंग फीस, फाइलिंग फीस, इंश्योरेंस समेत कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ रहे हों। ऐसे में आपको लोन की जो दर सामने दिख रही होगी, असल में वह लोन आपको उससे काफी महंगा पड़ सकता है।

6- क्रेडिट स्कोर कितना है?

लोन लेते वक्त क्रेडिट स्कोर बड़े काम आता है। कोई भी बैंक आपको लोन देने से पहले ये स्कोर जरूर देखता है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है तो आपको कम दर पर भी लोन मिल सकता है। ऐसे में आपके पास मोलभाव करने की ताकत होती है। अच्छा क्रेडिट स्कोर यानी सिबिल स्कोर होने का मतलब है कि आपके लोन वापस चुकाने की संभावनाएं बहुत ज्यादा हैं।

7- लोन के पैसे कितने दिनों में चाहिए?

अगर आप लोन लेने जा रहे हैं तो एक बड़ा सवाल ये भी रहता है कि आपको लोन के पैसे कितने दिनों में चाहिए? कुछ बैंक ऑनलाइन तरीके से महज 10 सेकेंड में भी लोन देने का ऑफर करते हैं, वहीं कुछ बैंक लोन के पैसे बैंक खाते में ट्रांसफर करने में 10 दिन तक का वक्त लगा देते हैं। तो अगर आपको उसी हिसाब से लोन के लिए आवेदन करना चाहिए।

करोड़पति बनने के लिए 12-15-20 का फॉर्मूला है बेहद कारगर

करोड़पति बनना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बस इसके लिए आपको निवेश की सटीक स्ट्रैटेजी को अपनाना होगा

हर कोई लाइफ में फाइनेंशियल समस्याओं को दूर करके एक अच्छा जीवन बिताना चाहता है। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतनी जल्दी अच्छा खासा फंड जमा कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है उस स्कीम का चुनाव करना, जहां से आपको बंपर रिटर्न भी मिल सके। यहां जानिए एक ऐसी ही स्कीम और खास फॉर्मूले के बारे में जो आपको 40 की उम्र तक करोड़पति बना सकता है।

ये फॉर्मूला बना सकता है करोड़पति

करोड़पति बनना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बस इसके लिए आपको निवेश की सटीक स्ट्रैटेजी को

अपनाना होगा। ऐसे में 12-15-20 का फॉर्मूला आपके लिए काफी मददगार हो सकता है। इसमें 12 का मतलब 12% रिटर्न से है, 15 यानी 15 सालों तक निवेश करना होगा और 20 यानी 20,000 रुपए महीने निवेश करना होगा। इस फॉर्मूले के साथ अगर आप 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं, तो 40 साल की उम्र तक खुद को करोड़पति बना सकते हैं।

कहां करें निवेश

अब सवाल उठता है कि किस जगह पर निवेश किया जाए, जहां से आपको 12 फीसदी का रिटर्न मिले। इसका जवाब है SIP एसआईपी के जरिए आप म्यूचुअल फंड्स में निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंड्स मार्केट से लिंक्ड है, इसलिए इसका रिटर्न निश्चित नहीं होता, लेकिन फाइनेंशियल एक्सपर्ट इसका लॉन्ग टर्म में औसत रिटर्न 12 फीसदी मानते हैं। कई बार ये इससे ज्यादा भी हो सकता है।

ऐसे बनेंगे करोड़पति

अगर आप हर महीने 20,000 रुपए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में जमा करते हैं, तो आप 15 सालों में कुल 36,00,000 रुपए का निवेश करेंगे। SIP Calculator के मुताबिक देखें तो 12 फीसदी की दर से आपको इस पर 64,91,520 रुपए ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह 15 साल बाद आप कुल 1,00,91,520 रुपए के मालिक बन जाएंगे।

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने से महिलाओं को मिलते हैं ये पांच बड़े लाभ

एक महिला जब खुद को स्थापित करती है और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती है तो वह कई तरह से खुद को एक बेहतर इंसान बनाने की तरफ कदम बढ़ाती है।

कहते हैं कि जीवन में पैसा सबकुछ नहीं होता, लेकिन पैसे के बिना बेहतर जीवन जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। दिन की शुरूआत से ही हमें दूध, फल, सब्जी लाने के लिए पैसों की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर, गृहिणियां इन सभी छोटे-छोटे खर्चों के लिए अपने पति पर आर्थिक रूप से निर्भर होती हैं। हालांकि, पति की कमाई से खर्च करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता के अपने अलग ही कुछ मायने है। अमूमन यह माना जाता है कि जब एक महिला जॉब करती है या फिर कोई बिजनेस करती है तो वह केवल पैसे ही कमाती है। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। एक महिला जब खुद को स्थापित करती है और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती है तो वह कई तरह से खुद को एक बेहतर इंसान बनाने की तरफ कदम बढ़ाती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको महिलाओं के लिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में बता रहे हैं...

घर खर्च में कंधे से कंधा मिलाना

जब एक महिला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती है तो वह बेहतर तरीके से अपने परिवार का सपोर्ट सिस्टम बन सकती है। आज के महंगाई के युग में केवल एक व्यक्ति की सैलरी से घर चलाना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में महिला की आमदनी घर खर्च को काफी आसान बना देती है। कोरोना काल में भी जब पुरूषों के काम-धंधे पूरी तरह से ठप्प हो गए थे, तब महिलाओं की सैलरी से ही घर खर्च में काफी मदद मिली थी।

आर्थिक आजादी

जब महिलाएं पुरूषों पर आर्थिक रूप से निर्भर होती हैं, तो उन्हें हर छोटे-बड़े खर्चे के लिए पति से परमिशन मांगनी पड़ती है या फिर उनसे बार-बार पैसे मांगने पड़ते हैं। अगर पति मना कर दे तो उन्हें अपना मन भी मारकर रहना पड़ता है। लेकिन आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को आर्थिक आजादी प्रदान करता है। जब वह खुद कमाती हैं तो वह खुद पर खर्च भी कर सकती हैं और इसके लिए उन्हें अलग से किसी की परमिशन लेने की आवश्यकता नहीं होती है।

मिलता है सम्मान

यह देखा जाता है कि जो महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, उन्हें घर-परिवार में अधिक सम्मान मिलता है। यह सच है कि एक गृहिणी का कार्य अधिक कठिन होता है और वह 24X7 काम करने के लिए तैयार होती हैं। लेकिन फिर भी परिवार में लोग उनके काम को अहमियत नहीं देते। वहीं, अगर आप किसी कंपनी में जॉब करती हैं या फिर आपका खुद का ही बिजनेस है तो घर सहित रिश्तेदार व अन्य जानने वाले भी आपको एक सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

अन्याय सहन करने की आवश्यकता नहीं

भारतीय घरों में महिलाओं के साथ शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन अधिकतर महिलाएं इस हिंसा को सिर्फ इसलिए बर्दाश्त करती हैं, क्योंकि वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं होती हैं। उन्हें यह लगता है कि अगर वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएंगी तो उन्हें घर छोड़ना पड़ेगा और फिर उनका व उनके बच्चों का गुजारा कैसे होगा। इसी सोच के चलते वह जीवनभर खुद के साथ होने वाले अन्याय को सहन करती जाती हैं। लेकिन अगर आप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, तो आपको अन्याय सहन करने की आवश्यकता नहीं है।

बढ़ता है आत्मविश्वास

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता महिलाओं को अधिक आत्मविश्वासी भी बनाती है। उन्हें यह अहसास होता है कि वह अपने पति व परिवार की परछाई से अलग अपनी भी कोई पहचान रखती हैं और समाज में लोग उन्हें उनके नामों से पहचानते हैं। यह आत्मविश्वास ही उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

डिस्क्लेमर

निवेश पत्रिका में प्रकाशित लेखों के माध्यम से बाजारों एवं कॉरपोरेट जगत के घटनाक्रमों की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया गया है। निवेश पत्रिका के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते है। निवेश पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले करोबारी निर्णयों के लिए निवेश पत्रिका कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है।

- संपादकः रमेशचन्द मालू

Invest in Tax Saving (ELSS) Schemes, and 54 EC Bonds

Invest for 80C ELSS, Capital Gain 54EC Bonds.

Invest With Better Mutul Fund Distributor
Having Experience of 30 Years

Mob.: 98290-06801/98290-99899/98290-40424

पी.पी.एफ. खाता धारक सचेत रहकर समय पर जमा करायें

अगर आपका पी.पी.एफ. (पब्लिक प्रोविडेंट खाता) जिस भी बैंक और डाकघर में है, उसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए मिनिमम जमा राशि 500/- रु. एवं अधिकतम राशि 150000/- रु. है, अतः 31 मार्च 2024 से पहले जमा कराये और पेनल्टी से बचे।

भारत सरकार द्वारा 1 नवम्बर 2011 से पी.पी.एफ. में जमा कराने हेतु अभिकर्ताओं को हटा दिया गया है। अतः आप सभी से निवेदन है कि आप अपनी सुविधानुसार शीघ्र जमा करवा देवें।

बचत योजनाओं की संपूर्ण जानकारी हेतु सेमीनार के लिए रजिस्ट्रेशन कराये

98290-40924
75680-90258

होली से सीखें मनी मैनेजमेंट, मुनाफे से सराबोर रहेगा आपका पोर्टफोलियो

रंगों का त्योहार होली देश का एक सबसे पॉपुलर फेस्टिवल है। भारत के साथ-साथ यह पड़ोसी देशों के कुछ हिस्सों में भी मनाया जाता है। होली का अपना सांस्कृतिक महत्व है। होली जहां हमें मन की कड़वाहट मिटाकर मिलकर सेलिब्रेट करने का संदेश देता है, वहीं यह कई तरह के फाइनेंशियल सबक भी सिखाता है। होली से हम मनी मैनेजमेंट के 5 अहम गुर सीख सकते हैं, जिसके चलते सालो-साल आपका पोर्टफोलियो मुनाफे के रंग से सराबोर रहेगा।

डाइवर्सिफिकेशन का रंग शामिल करें

रंगों का त्योहार होली वसंत के कलरफुल सीजन की शुरुआत को दर्शाता है। इसलिए रंगों के साथ मनाया जाता है। होली के अलग-अलग रंग जिस तरह त्योहर के उत्साह को बढ़ाते हैं, उसी तरह निवेश पोर्टफोलियो में भी डाइवर्सिफिकेशन होना चाहिए। एक संतुलित पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लॉस स्टॉक, बॉन्ड, रीयल्टी, गोल्ड समेत अन्य इन्स्ट्रूमेंट्स शामिल रहते हैं।

निवेश का सुरक्षित तरीका अपनाएं

हद से ज्यादा सावधानी होली के उत्साह को कम कर सकती है। हालांकि, किसी भी त्योहार को हमें सुरक्षित तरीके से मनाना चाहिए। हर व्यक्ति को ऑर्गेनिक कलर से खेलना चाहिए जिससे कि दूसरों को नुकसान न हो और हेल्थ पर बुरा असर पड़े। ठीक इसी तरह का रवैया निवेश के मामले में भी रखना चाहिए अगर आपको मनी मैनेजमेंट की अच्छी समझ नहीं है, तो बेहतर है कि आप फाइनेंशियल एडवाइजर की मदद लें। यह आपके पैसे को सेफ रखते हुए बेहतर रिटर्न पाने की सलाह देगा।

निवेश की बुराइयों को खत्म करें

किंवदंती है कि, होली को बुराई पर अच्छाई की जीत के उत्सव के रूप में जाना जाता है, जो होलिका दहन के संदर्भ में है। इसमें राजा हिरण्यकश्यप अपनी बहन होलिका को आदेश देता है कि वह उसके बेटे प्रहलाद के साथ जलती हुई चिता में प्रवेश करे, क्योंकि उसने अपने पिता के बजाय भगवान विष्णु की पूजा करने का फैसला किया था।

जब होलिका ने अपने भतीजे प्रहलाद के साथ जलती हुई चिता में प्रवेश किया; हिरण्यकश्यप को यकीन था कि प्रहलाद की मृत्यु हो जाएगी, लेकिन भगवान विष्णु के प्रति प्रहलाद की भक्ति के चलते ऐसा नहीं हुआ। होलिका जल गई लेकिन प्रहलाद जीवित रहा। इसलिए बुराई पर अच्छाई की जीत है। इसी तरह, आपके निवेश के मामले में भी हमें उन गलतियों को रोकना चाहिए जो आपके वेल्थ क्रिएशन में बाधा बन सकते हैं। जैसे की कम जानकारी, जल्दबाजी में रिडम्पशन, अफवाहों पर फैसले करना, छिटपुट निवेश और मार्केट टाइमिंग जैसी गलतियों को दूर करना चाहिए।

निवेश में घोलें मिठास

होली सिर्फ रंगो और गुलाल का त्योहार नहीं है, बल्कि गुजिया और ठंडाई जैसे डेजर्ट्स की मिठास भी इसमें शामिल रहती है। इन्हें बनाने में समय लगता है, जिसकी पहले से तैयारी की जाती है। इसी तरह निवेश को भी बड़ा होने और उससे अच्छा रिटर्न मिलने में समय लगता है। इसलिए वेल्थ क्रिएशन के लिए लंबी अवधि तक निवेश की मिठास चुने। रातोंरात या कुछ हफ्तों में पैसा नहीं बन जाता है। अगर आप धैर्य रखते हैं, तो आपको निश्चित रूप से अपने निवेश की मिठास चखने को मिलेगी।

निवेश पर मजबूत रखें अपनी पकड़

बुरा न मानो, होली है, यह होली का सबसे पॉपुलर तकिया कलाम है। इसका मतलब है कि लोग अपने बीते हुए कल को पीछे छोड़कर आगे देखते हैं। सभी मतभेदों को भूलकर नए रिलेशन बनाते हैं। वे परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ मिलकर त्योहार की खुशियां मनाते हैं।

इसी तरह, अपने निवेश और निवेश पोर्टफोलियो की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए। अपने एसेट क्लास की परफॉर्मेंस का आकलन करिए। अगर उसकी परफॉर्मेंस लगातार अच्छी नहीं है, तो वह आपके फाइनेंशियल गोल हासिल करने में बाधक बन सकता है। इसकी समीक्षा करते हुए जरूरी बदलाव पोर्टफोलियो में करने चाहिए।

Mutual fund investment are subject to market risk, read all scheme related document carefully

स्वतत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक रमेश चन्द मालू द्वारा मोहन शर्मा एण्ड कंपनी प्रा.लि.ए-10, सुदर्शनपुरा औधोगिक क्षेत्र जयपुर से मुद्रित एवं 103 प्रथम मंजिल, बृज अनुकम्पा, बीएसएनएल के सामने, अशोक मार्ग, सी-स्कीम जयपुर-302001 से प्रकाशित। सम्पादक : रमेश चन्द मालू मो. 98290-40524, 98290-66601
ई-मेल : niveshpatrika@mftoday.com वेबसाईट www.mftoday.com